INDIRA GANDHI NATIONAL CENTRE FOR THE ARTS

REGIONAL CENTRE, RANCHI

MEDIA REPORT PARTITION HORROR DAY 2026

13-8-2026

दैनिक जागरण

समाचार सार

तृतीय जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा कवि गोष्ठी 14 को

जागरण संवाददाता, रांची : इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र, क्षेत्रीय केंद्र रांची द्वारा रांची यूनिवर्सिटी के सहयोग से 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के अवसर पर तृतीय जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा कवि गोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम सुबह 11:30 बजे केंद्रीय पुस्तकालय सभागार, रांची यूनिवर्सिटी में होगा। पद्मश्री बलबीर दत्त द्वारा विस्थापन पर व्याख्यान दिया जाएगा, जिसमें विभाजन और उससे जुड़े मानवीय पक्षों पर विचार किया जाएगा। कार्यक्रम में विभाजन विभीषिका स्मृति विषयक विशेष प्रदर्शनी भी लगेगी।

जागरण 15-8-2026

विस्थापन स्मृति, संस्कृति व पहचान से जुड़ा अनुभव : दत्त

जागरण संवाददाता, रांची : इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र, क्षेत्रीय केंद्र, रांची द्वारा रांची विश्वविद्यालय के सहयोग से शुक्रवार को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर तृतीय जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा कवि गोष्ठी का आयोजन किया गया।

रांची विवि के केंद्रीय पुस्तकालय सभागार में आयोजित कार्यक्रम में पद्मश्री बलबीर दत्त ने विभाजन की त्रासदी और उससे जुड़े विस्थापन के अनुभवों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विस्थापन केवल स्थान परिवर्तन नहीं, बल्कि व्यक्ति की स्मृति, संस्कृति और पहचान से जुड़ा गहरा अनुभव है। उन्होंने विभाजन की पीड़ा को याद करते हुए नई पीढ़ी को इतिहास से सीख लेने और मानवीय मूल्यों को मजबूत करने का संदेश दिया। साथ ही उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में भारत विश्व की सबसे बड़ी युवा शक्ति है। इसके पूर्व क्षेत्रीय निदेशक डा. कुमार संजय झा ने कहा कि 'विस्थापन' को जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषाओं की काव्य अभिव्यक्ति के माध्यम से सामने लाना इस आयोजन की विशेषता और उद्देश्य है।

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर आयोजित पदयात्रा में शामिल लोग • स्वयं

इतिहास से सीख लेकर एकता, सद्भाव और परस्पर सम्मान की भावना को मजबूत करें: कुलपति : रांची विवि की कुलपति डा सरोज शर्मा ने 'विभाजन विभीषिका स्मृति' विषयक प्रदर्शनी का अवलोकन किया गया। प्रदर्शनी में विभाजन के दौरान हुए विस्थापन, संघर्ष और मानवीय पीड़ा से संबंधित चयनित सामग्री प्रस्तुत की गई थी। इसके बाद कहा कि विभाजन की त्रासदी को स्मरण करना आवश्यक है, ताकि आने वाली पीढ़ियां इतिहास से सीख लेकर एकता, सद्भाव और परस्पर सम्मान की भावना को मजबूत कर सकें। विशिष्ट अतिथि स्वामी भवेशानंद, सचिव, रामकृष्ण मिशन आश्रम, रांची ने कहा कि विस्थापन के साथ व्यक्ति केवल अपना घर नहीं खोता, बल्कि उसकी स्मृतियां, संस्कृति और सामाजिक संबंध भी प्रभावित होते हैं। उन्होंने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि "आप युवा तोड़ने वाले नहीं, जोड़ने वाले बनें।"

हिन्दुस्तान 15-8-2026

काव्य में जीवंत हुई विभाजन की त्रासदी

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवसः कवियों ने सुनाई पीड़ा

तृतीय जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा कवि गोष्ठी में 9 कवियों ने स्वरचित कविताओं का पाठ किया। इसमें विनोद तिवारी (हिंदी), कंचन मुंडा (नागपुरी), रतन कुमार महतो (कुड़माली), कंचन बरनवाल व बिनोद कुमार (खोरठा), हेमंत कुमार टोप्पो (कुड़ुख), रेमिस कंडुलना (मुंडारी), वंदना सोरेंग (खड़िया) और एंथोनी मुंडा (पंचपरगनिया) शामिल थे।

रांची, विशेष संवाददाता। विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर शुक्रवार को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (क्षेत्रीय केंद्र, रांची) और आरयू के संयुक्त तत्वावधान में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस दौरान पदयात्रा, प्रदर्शनी, विशिष्ट व्याख्यान तथा तृतीय जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा कवि गोष्ठी आयोजित की गई। आयोजन का उद्देश्य 1947 के विभाजन के दौरान झेले गए विस्थापन की पीड़ा को जनजातीय व क्षेत्रीय भाषाओं की काव्य अभिव्यक्ति के माध्यम से रेखांकित करना था।

कार्यक्रम का शुभारंभ चेतना पदयात्रा से हुआ। इसके पश्चात रांची विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सरोज शर्मा ने विभाजन विभीषिका स्मृति विषय पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस प्रदर्शनी में विभाजन के दौर के विस्थापन और संघर्ष से जुड़ी ऐतिहासिक एवं दुर्लभ सामग्रियों को प्रदर्शित किया गया था। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. कुमार संजय झा ने कहा कि विस्थापन की त्रासदी को क्षेत्रीय व जनजातीय भाषाओं की कविताओं के जरिए प्रस्तुत करना इस आयोजन की अनूठी विशेषता है। यह प्रयास न केवल ऐतिहासिक स्मृतियों को संजोता है, बल्कि भाषाई विविधता और सांस्कृतिक अस्मिता को भी संबल प्रदान करता है।

विशिष्ट व्याख्यान सत्र को संबोधित करते हुए पद्मश्री से सम्मानित वरिष्ठ पत्रकार बलबीर दत्त ने विभाजन के दर्दनाक अनुभवों को साझा किया। उन्होंने कहा, विस्थापन केवल एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाना भर नहीं है, बल्कि यह व्यक्ति की स्मृतियों, संस्कृति और मूल पहचान से जुड़ा अत्यंत गहरा और पीड़ादायक अनुभव है।

RANCHI PIONEER

IGNCA holds Partition Horrors Rememberance Day

August 14, 2026

Partition Horrors Remembrance Day, observed on 14 August, commemorates the immense suffering, displacement, loss of lives and destruction of social and cultural bonds endured by millions during the Partition of India in 1947, while sensitising younger generations to its tragic consequences and reinforcing the values of unity, harmony, peace and mutual understanding.

In this context, the Indira Gandhi National Centre for the Arts (IGNCA), Regional Centre, Ranchi in collaboration with Ranchi University organised a special programme comprising a Padayatra, Exhibition, Special Lecture and the Third Tribal and Regional Language Poets' Gathering on the theme "Displacement."

The programme was graced by Vice-Chancellor, Ranchi University, as the Chief Guest. Padma Shri Balbir Dutt, senior journalist and author, delivered the special lecture. Swami Bhaveshananda, Secretary, Ramakrishna Mission Ashram, Ranchi, was present as the Distinguished Guest.

The programme commenced with a Padayatra, in which approximately 400 school & college students and faculties participated.

Dr. Kumar Sanjay Jha, Regional Director, IGNCA, Regional Centre, Ranchi, coordinated the entire programme and delivered the welcome address, marking the commencement of the first session.

Padma Shri Balbir Dutt, delivered a poignant Special Lecture on the Horrors of Partition, drawing upon both historical accounts and his personal experiences. He spoke of the immense sacrifices made for India's independence and the human suffering, displacement and loss caused by Partition, emphasising that such memories must never be forgotten.

Recalling incidents he had witnessed and experiences endured by his family while migrating from Rawalpindi to India in 1947, he referred to the communal divisions of the period, including the practice of maintaining separate drinking water for Hindus and Muslims at railway stations, as well as the horrific arrival of trains carrying the bodies of those who had crossed the newly created border.

Swami Bhaveshananda Maharaj Ji, in his speech, stated that around one to two crore people had been displaced and that nearly two crore people had lost their lives during the period of Partition. He emphasised the need to understand the magnitude of this tragedy and its deeper implications. He observed that every war begins first in the human mind, and therefore, it was essential for individuals to purify their thoughts and cultivate harmony and compassion.

He further reminded the gathering that India was a civilisation that believed in the timeless principle of "Vasudhaiva Kutumbakam" – the world is one family, and emphasised the importance of upholding this spirit of unity, peace and universal brotherhood.

The programme concluded with an expression of gratitude to the distinguished guests, participating poets, scholars, students and all those associated with the successful organisation of the event.

Source: Ranchi Pioneer